राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 284 | जौनपुर | मंगलवार, 03 जून 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

'जिला प्रशासन की ओर से ज्येष्ठ मंगलवार पर विशाल भंडारे का आयोजन'

सुल्तानपुर। ज्येष्ठ माह के मंगलवार के पावन अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से कलेक्ट्रेट परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था और जनसेवा से जुड़े इस आयोजन की शुरुआत पूजन–अर्चन के साथ हुई, जिसके बाद भंडारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।इस अवसर पर जिलाधिकारी कुमार हर्ष,मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने विधिवत पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। पूजन उपरांत तीनों अधिकारियों ने प्रसाद वितरण कर भंडारे की शुरुआत की।भंडारे की संपूर्ण व्यवस्था में अपर जिलाधिकारी,उप जिलाधिकारी,एडिशनल एसपी सहित प्रशासनिक अमला पूरी तरह से जुटा रहा।

दुश्मन के कानों में गूंजता रहेगा ब्रह्मोस का प्रतिघात : जगदीप धनखड़

आगरा, (एजेंसी)। आगरा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि ब्रह्मोस का प्रतिघात दुश्मन के कानों में गूंजता रहेगा। हमारा सैन्य उत्पाद तेजी से बढ़ रहा है। पहलगाम में कायरतापूर्ण हमले के जवाब में हमने दुश्मन को उसके घर में घुसकर तबाह किया है। हमने अहिल्याबाई से यही सीखा है कि जो हम पर हाथ डालेगा उसको नष्ट करेंगे ंलोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति पर जीआईसी मैदान में आयोजित सभा को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया। उन्होंने भारतीय सेना के पराक्रम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारा जुड़ाव अहिल्याबाई से पानीपत के युद्ध से है। जहां राजा होल्कर

और राजा सूरजमल ने अहमद शाह अब्दाली के खिलाफ मिलकर जंग लड़ी। आज का दिन मेरे लिए गौरव और भावना से भरा है। हमें प्रेरणा और संकल्प लेना पड़ेगा कि हम अहिल्याबाई के आदर्शों पर चलेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की कायापलट रही है। काशी, अयोध्या, मथुरा आने वाली पीढिध्यों के लिए संस्कृति का परिचायक होंगी। विदेशी आक्रांताओं ने जो कुठाराघात किए, उसके 100 साल बाद अहिल्याबाई की दूरदर्शिता से चमत्कारी परिवर्तन हुए। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर उप राष्ट्रपति ने कहा कि कानून के राज के बिना विकास संभव नहीं। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने सिखाया कि राष्ट्रवाद ही हमारा धर्म है। उत्तर प्रदेश संस्कृति, विरासत के संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है। 2014 में काशी को प्रधानमंत्री ने राजनीतिक क्षेत्र बनाया। 2017 में योगी सीएम बने। महाकुंभ से दुनिया में भारतीय संस्कृति का प्रचार हुआ। उपराष्ट्रपति ने कहा मैं किसान परिवार से आता हूं। किसान मेरे दिल और दिमाग में रहते हैं। मैं उनका दर्द समझता हूं। अहिल्याबाई ने नारी सशक्तीकरण के उच्च मापदंड स्थापित किए। अपनी सेना में महिला की टुकड़ी बनाई। अब संसद और विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण मिलने जा रहा है। जीआईसी मैदान पर आयोजित सभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रनायकों और राष्ट्रनायिकाओं से प्रेरणा लेने वालों की राह में कोई बाधा नहीं आती। विदेशी आक्रांताओं ने जिन मंदिरों को नष्ट किया था, अहिल्याबाई ने उनका पुनरुद्धार कराया। लोकमाता के जीवन से प्रेरणा लेकर डबल इंजन की सरकार महिलाओं के लिए कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। सुरक्षा और आत्मरक्षा के लिए मालवा में किए कार्यों से हमें सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक की प्रेरणा मिलती है। विपक्ष पर तंज कसते हुए योगी ने कहा पहले कुछ लोग माफिया को पालते थे। कानून व्यवस्था के लिए संकट पैदा करते थे। अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखे डिग्री कॉलेज का पिछली सरकार ने नाम बदल दिया था। हमने उस मेडिकल कॉलेज का नामकरण अहिल्याबाई के नाम पर किया।

जे पी नड्डा तिरंगा यात्रा में लेंगे भाग, अनुराग ठाकुर भी रहेंगे मौजूद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा सोमवार को सोलन पहुंचेगे, जहां वे तिरंगा यात्रा में भाग लेंगे। भाजपा अध्यक्ष ने कोर कमेटी की बैठक भी बुलाई है जिसमें प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा, सह प्रभारी संजय टंडन, हिमाचल प्रदेश में विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर और प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल जैसे वरिष्ठ नेताओं के मौजूद रहने की संभावना है। बिंदल ने बताया कि तिरंगा यात्रा माल रोड पर निकाली जाएगी, जहां सांसद अनुराग ठाकुर भी मौजूद रहेंगे। एक महत्वपूर्ण राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत, पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारतीय सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान को सम्मानित करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में 'तिरंगा यात्रा' आयोजित की जा रही है। इसमें भाजपा के नेता बढ़चढ़ के

हिस्सा ले रहे हैं। बिहार में ऑपरेशन सिंदूर के सफल समापन के बाद भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति अटूट समर्थन व्यक्त करने के लिए पटना में तिरंगा यात्रा निकाली गई। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा में विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और आम लोगों की भारी भीड़ शामिल हुई। इससे पहले जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में चिकित्सा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण करना केन्द्र सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय की प्राथमिकताओं में शामिल है। नड्डा यहां मुख्यमंत्री निवास पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं, जिनसे 'निरामय राजस्थान' की संकल्पना साकार होने लगी है।

संक्षिप्त समाचार

एयर इंडिया ने एयर मॉरीशस के साथ कोडशेयर साझेदारी का किया विस्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एयर इंडिया और एयर मॉरीशस ने अपनी 'कोडशेयर' साझेदारी का विस्तार करने की सोमवार को घोषणा की। इससे मॉरीशस के माध्यम से भारत को दक्षिण अफ्रीका, रीयूनियन और मेडागास्कर के साथ बेहतर संपर्क सुविधा मिलेगी। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मजबूत द्विपक्षीय कोडशेयर समझौते के तहत एयर इंडिया और एयर मॉरीशस भारत, मॉरीशस, रीयूनियन, दक्षिण अफ्रीका और मेडागास्कर के बीच कुल 17 मार्गों पर अपने 'कोड' साझा करेंगे। 'कोडशेयर' साझेदारी के तहत आमतौर पर विमानन कंपनियां अपनी साझेदार कंपनी द्वारा संचालित उड़ानों के लिए टिकट 'बुक' करने की सुविधा प्रदान करती हैं। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, '' एयर इंडिया अपना 'एआई' कोड एयर मॉरीशस की उन उड़ानों पर लगाएगी जो दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन और जोहान्सबर्ग तथा मेडागास्कर की राजधानी एंटानानारिवो से आती–जाती हैं। विमानन कंपनी पहले से ही मॉरीशस और मुंबई एवं दिल्ली तथा रीयूनियन के बीच एयर मॉरीशस की उड़ानों के लिए 'कोडशेयर' करती है।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने आईएएस आलोक के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी और राजस्थान के ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक का 58 साल की उम्र में सोमवार को निधन हो गया। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनके निधन पर शोक जताया है। मिली जानकारी के अनुसार, आईएएस आलोक कई दिनों से बीमार थे। उनका सोमवार को दिल्ली में निधन हुआ। आलोक 1993 बैच के आईएएस अधिकारी थे। उनका जन्म 15 नवंबर 1966 को पटना में हुआ था। राज्यपाल बागडे ने उनके आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है और ईश्वर से पुण्यात्मा को शांति देने और परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी की बड़ी पहल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 जून को मंत्रिपरिषद की बैठक करेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकी शिविरों पर भारत द्वारा हमला किए जाने के बाद यह पहली ऐसी बैठक है। सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्री एस जयशंकर हाल के दशकों में भारत के सबसे बड़े सैन्य अभियानों में से एक ऑपरेशन सिंदूर पर बैठक में प्रस्तुति दे सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर 7 मई की सुबह शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के प्रतिशोध में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ढांचों को नष्ट करना था। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। पाकिस्तानी हमलों के बाद की सभी जवाबी कार्रवाई इसी ऑपरेशन के तहत की गई। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने तब से जोर देकर कहा है कि भारत ने आतंकवाद के खिलाफ एक "नई लाल रेखा" खींच दी है और ऑपरेशन सिंदूर ने सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के प्रति भारत की प्रतिक्रिया

में एक नई सामान्य स्थापित की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को दो टूक कहा कि भारत अब आतंकवादियों के जरिए ''छद्म युद्ध'' कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी भी दी कि अब उन्हें (आतंकवादियों को) घर में घुसकर मारा जाएगा और अगर उधर से गोली चली तो जवाब गोले से दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के ठिकानों को तबाह किया। और सेना का यह अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। इसने देसी हथियारों और मेक इन इंडिया की ताकत दुनिया को दिखा दी है।" नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद की तुलना सांप से करते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर ''उसने दोबारा फन उठाया तो उसे उसके बिल से बाहर खींचकर कुचल दिया जाएगा।'' मोदी ने काराकाट में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के ''तरकश का मात्र एक तीर है।''

अन्ना यूनिवर्सिटी में रेप मामले में अदालत का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चेन्नई की एक विशेष महिला अदालत ने सोमवार को बिरयानी विक्रेता ज्ञानशेखरन को दिसंबर 2024 में अन्ना विश्वविद्यालय परिसर में 19 वर्षीय छात्रा के साथ बलात्कार के मामले में दोषी ठहराते हुए बिना किसी छूट के कम से कम 30 साल के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने उस पर 90,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। इसने नोट किया कि दस्तावेजी और फोरेंसिक साक्ष्य के आधार पर आरोप साबित हुए थे। न्यायाधीश एम राजलक्ष्मी, जिन्होंने 28 मई को ज्ञानशेखरन को दोषी ठहराया था, ने 11 अलग–अलग आरोपों के तहत सजा सुनाई, जो एक साथ चलेंगे। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने मामले को उचित संदेह से परे साबित कर दिया है। अभियोजन पक्ष ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय

नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), आईटी अधिनियम और तमिलनाडु महिला उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत ज्ञानशेखरन के अपराध को स्थापित करने के लिए दस्तावेजी और फोरेंसिक साक्ष्य पर भरोसा किया। अदालत ने माना कि दिसंबर 2024 की घटना उचित संदेह से परे साबित हुई थी। सजा सुनाए जाने के दौरान, ज्ञानसेकरन ने हल्की सजा की मांग की, यह दावा करते हुए कि वह अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला है। अभियोजन पक्ष ने दलील का विरोध किया और अदालत से अधिकतम सजा देने का आग्रह किया, जिसे न्यायाधीश ने स्वीकार कर लिया। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके के साथ ज्ञानसेकरन के कथित संबंधों की खबरें सामने आने के बाद इस मामले ने राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया था। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने जनवरी में स्पष्ट किया था कि दोषी व्यक्ति पार्टी का सदस्य नहीं बल्कि समर्थक था। यह घटना तब प्रकाश में आई जब पीड़िता ने 23 दिसंबर, 2024 को कोट्टूरपुरम के ऑल वूमेन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उसने आरोप लगाया कि जब वह कैंपस में अपने एक पुरुष मित्र के साथ थी, तब ज्ञानसेकरन ने उसे धमकाया और फिर उसका यौन उत्पीड़न किया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। तमिलनाडु पुलिस की सीसीटीएनएस वेबसाइट के जरिए एफआईआर तक पहुँचने और मीडिया के कुछ हिस्सों में प्रसारित होने के बाद मामला और भी तूल पकड़ गया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। इसके बाद मद्रास उच्च न्यायालय ने जांच को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंप दिया, जिसने लीक की भी जांच की। एसआईटी ने फरवरी में अपनी चार्जशीट दाखिल की। बाद में मामला महिला अदालत में ले जाया गया।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कश्मीरी पंडितों की सम्मानजनक वापसी और पुनर्वास की मांग किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कश्मीरी पंडितों की सम्मानजनक वापसी और पुनर्वास की मांग करते हुए कहा कि उनके पुनः एकीकरण को केवल एक प्रतीकात्मक वापसी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि जम्मू और कश्मीर के लिए एक साझा, समावेशी और दूरंदेशी भविष्य के निर्माण के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने राजभवन में जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मैंने उनसे कहा कि जेलों में बंद कम गंभीर आरोपों वाले लोगों को ईद से पहले रिहा कर दिया जाना चाहिए। घाटी में कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह एक लंबी प्रक्रिया है। हमने कुछ शुरू किया है। कश्मीरी पंडितों ने पंचायत चुनाव लड़ा है। अगर आप उन्हें विधानसभा चुनाव में आरक्षण भी देते हैं, तो यह उन्हें सशक्त बनाने का सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने कहा कि हमने यहां कश्मीरी पंडितों की वापसी के मुद्दे पर बात की। अमरनाथ यात्रा और कश्मीरियों की भागीदारी के बारे में भी बात की। मैंने उनसे कहा कि यहां की जेलों में बंद कम गंभीर आरोपों वाले लोगों को ईद से पहले रिहा कर दिया जाना चाहिए। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि हमने कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी के मुद्दे को पीडीपी के एजेंडे का हिस्सा बनाया है। हमारे खिलाफ बहुत बड़ा आरोप है कि हम यहां रहने वाले कश्मीरी पंडितों को नहीं बचा सके। महबूबा ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में हर राजनीतिक दल, चाहे वह किसी भी विचारधारा का हो, लगातार उनकी वापसी के विचार का समर्थन करता रहा है। उन्होंने कहा, ष्उनके विस्थापन का साझा दर्द और सुलह की चाहत हम सभी को इस विश्वास में बांधती है।

विकास के मुद्दों से ध्यान भटकाना भाजपा की राजनीति की पहचान : खरगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने असम और पूर्वोत्तर के कुछ अन्य राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन को लेकर सोमवार को चिंता जताई अ असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और राज्य की 10 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं तथा 15 से अधिक जिलों में लगभग चार लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पूर्वोत्तर विनाशकारी बाढ़, भूस्खलन और भारी बारिश से जूझ रहा है। असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, सिक्किम और मेघालय सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से हैं, जहां कई लोगों की जान चली गई है और लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आह्वान किया कि कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को लोगों की सहायता के लिए हर

संभव प्रयास करने चाहिए। खरगे ने दावा किया, 2016 में भाजपा ने बाढ़ मुक्त असम बनाने का वादा किया था। 2022 में गृह मंत्री अमित शाह ने यह वादा दोहराया। तथाकथित स्मार्ट सिटी गुवाहाटी के दृश्यों को देखकर याद आता है कि कैसे (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी और उनकी डबल इंजन सरकार ने असम को धोखा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के बुनियादी मुद्दों से भावनात्मक और ध्रुवीकरण वाले विषयों की ओर ध्यान भटकाना भाजपा की राजनीति की पहचान रही है।

खरगे ने कहा कि मोदी सरकार को बाढ़ की तैयारियों के लिए पूर्वोत्तर के सभी राज्यों, विशेषकर असम को अधिक धनराशि जारी करनी चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पूर्वोत्तर राज्यों, विशेषकर असम और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश से हुई जनहानि की खबर अत्यंत दुखद है। इस त्रासदी के कारण गुवाहाटी में हालात बेहद चिंताजनक हैं।

खुद को लंबे समय तक राष्ट्रीय राजनीति में नहीं देखता : चिराग पासवान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना की खबरों पर टिप्पणी की और स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता हमेशा बिहार और बिहारी रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पार्टी को जल्द ही राज्य की राजनीति में लौटने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। पासवान ने इस बात पर जोर दिया कि वह बिहार को एक विकसित राज्य के रूप में देखना चाहते हैं, जिसके बारे में उन्होंने कहा, "अगर मैं दिल्ली में हूं तो यह संभव नहीं है।" पत्रकारों से बात करते हुए पासवान ने कहा कि मैंने पहले भी कहा है कि मैं खुद को लंबे समय तक राष्ट्रीय राजनीति में नहीं देखता। राजनीति में आने का एकमात्र कारण बिहार और बिहारी हैं। मेरा हमेशा से विजन रहा है शबिहार पहले, बिहारी पहलेश और मैं हमेशा चाहता हूं कि

बिहार समृद्ध हो और दूसरे विकसित राज्यों के बराबर हो। और तीसरी बार सांसद बनने के बाद मुझे एहसास हुआ कि दिल्ली में यह संभव नहीं होगा। मैंने पार्टी (लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)) के सामने अपनी इच्छा जाहिर की थी कि मैं जल्द ही बिहार लौटना चाहता हूं। चिराग पासवान ने कहा कि मेरी पार्टी अभी भी इस बात का मूल्यांकन कर रही है कि अगर मैं अभी विधानसभा चुनाव लड़ता हूं तो क्या मेरी पार्टी को फायदा होगा। अगर मेरा स्ट्राइक रेट बेहतर हुआ और मेरे गठबंधन का प्रदर्शन बेहतर हुआ, जिसकी संभावना बहुत ज़्यादा है, तो मैं जरूर चुनाव लड़ूंगा। बिहार में सीएम पद के लिए कोई वैकेंसी नहीं है। चुनाव के बाद नीतीश कुमार ही सीएम बनेंगे। बिहार में चुनावी माहौल के बीच लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के इस साल अक्टूबर–नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं। पार्टी नेता और सांसद अरुण भारती ने अब सार्वजनिक रूप से इस कदम का समर्थन किया है और इसे जमीनी स्तर से सामूहिक मांग बताया है। अरुण भारती ने एक्स पर लिखा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान हमेशा कहते हैं कि उनकी राजनीति बिहार केंद्रित है और उनका विजन "बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट" एक विकसित और आत्मनिर्भर बिहार का संकल्प है। यह तभी संभव है जब वे खुद बिहार में रहकर नेतृत्व करें। अरुण भारती ने आगे लिखा कि जब मैं प्रदेश प्रभारी के रूप में गांव–गांव गया, हर जगह लोगों की एक ही मांग थी कि चिराग जी को अब बिहार में बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। हाल ही में पार्टी कार्यकारिणी की बैठक में भी सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास हुआ कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में खुद चुनाव लड़ें। साथ ही साथ, कार्यकर्ताओं की यह भी भावना है कि इस बार वे किसी आरक्षित सीट से नहीं, बल्कि एक सामान्य सीट से चुनाव लड़ें कृ ताकि यह संदेश जाए ।

आंध्र के मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी

तेलंगाना, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को तेलंगाना के लोगों को राज्य के 11वें स्थापना दिवस पर बधाई दी और कहा कि हालांकि देश में दो तेलुगु राज्य हैं, लेकिन तेलुगु लोग और समुदाय एक ही हैं। नायडू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि तेलुगु लोगों को, चाहे वे कहीं भी हों, समान रूप से आगे बढ़ना चाहिए। नायडू ने कहा, तेलंगाना के 11वें स्थापना दिवस का जश्न मना रहे राज्य के लोगों को मेरी शुभकामनाएं। तेलंगाना में हर परिवार खुशी और समृद्धि के साथ रहे और विकास के पथ पर आगे बढ़े। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने कहा कि विकास में एक–दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए दोनों तेलुगु राज्यों को शीर्ष स्थान पर पहुंचना चाहिए ताकि वे अपराजेय शक्तियों के रूप में उभर सकें। उन्होंने प्रत्येक तेलुगु नागरिक से इस यात्रा का हिस्सा बनने का आह्वान किया। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने भी तेलंगाना स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य ने उनकी जनसेना पार्टी को जन्म दिया, उन्हें पुनर्जन्म दिया और उन्हें क्रांतिकारी भावना से भर दिया। कल्याण ने 'एक्स' पर कहा, "तेलंगाना राज्य अपने 12वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है और मैं कामना करता हूं कि यह लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विकास और कल्याण के साथ सभी क्षेत्रों में आगे बढ़े।

संपादकीय

पढ़ने की उम्र में जुर्म

हिसार में सहपाठी द्वारा प्रतिशोध में कक्षा दस के एक छात्र की गोली मारकर की गई हत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। एक साल पहले स्कूल में डेस्क पर बैठने को लेकर विवाद की खुंदक आरोपी छात्र अपने दिमाग में पालता–पोसता रहा। फिर एक दिन सहपाठी को सुबह मिलने के बहाने बुलाया और अपने दादा के हथियार से गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बेहद दुखद है और हर मां–बाप के लिये बेहद चिंता का विषय कि उनके बच्चे का सहपाठी भी इतना खूंखार हो सकता है। हमारे जिस समाज की प्यार, सामंजस्य व सहयोग के लिये मिसाल दी जाती थी, उसमें ये किशोर आखिर ऐसा भयानक कदम कैसे उठा रहे हैं? जिस उम्र में किशोरों को पढ़ना–लिखना था, उस समय में वे हिंसक गतिविधियों में क्यों लिप्त हो रहे हैं? दोषी तो आरोपी छात्र के अभिभावक भी हैं कि जिन्होंने घातक हथियार को लापरवाही से घर में छोड़ा, जिससे आरोपी ने हत्या को अंजाम दिया।

बताते हैं कि आरोपी छात्र के दादा सेना से सेवानिवृत्त हैं और एक बैंक में सुरक्षा गार्ड हैं। कितनी दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कि मृतक छात्र अपने परिवार में इकलौता था और अपने परिवार को हमेशा के लिये रोता–बिलखता छोड़ गया। एक समय अमेरिका व यूरोप में ऐसी घटनाएं सुनने में आती थी। अब ये किशोर अपराध हमारे दरवाजों पर भी दस्तक देने लगे हैं। समाज में व्याप्त नकारात्मकता व हिंसक प्रवृत्ति का किशोरों द्वारा अनुकरण करना हमारे समाज के लिये खतरे की घंटी ही है। बीते मार्च में दिल्ली के वजीराबाद इलाके में एक छात्र की ऐसी ही निर्मम हत्या हुई थी। वजीराबाद की घटना में एक नौवीं के छात्र का अपहरण करके उसके परिजनों से दस लाख की फिरौती मांगी गई थी। छात्र की हत्या के बाद जांच में पता चला कि उसके अपहरण व हत्या में तीन किशोर संलिप्त थे। आए दिन स्कूल–कालेज विवाद में हिंसक घटनाएं हमें परेशान करती हैं। यदि कम उम्र के बच्चों व किशोरों में बढ़ती हिंसक प्रतिशोध की प्रवृत्ति पर लगाम न लगी तो डर लगता है कि आने वाले समय में हमारे समाज का स्वरूप कैसे होगा। सवाल यह है कि आखिर किशोरों में आपराधिक प्रवृत्तियां क्यों पनप रही हैं। आखिर उन्हें मां–बाप का संघर्ष क्यों नहीं दिखायी देता कि वे कैसे उन्हें पाल–पोस व पढ़ा–लिखा रहे हैं? समाज विचार करे कि वे कौन से कारक हैं जो बच्चों को आपराधिक प्रवृत्ति का बना रहे हैं। उनके द्वारा ऐसे जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिये जिम्मेदार प्रवृत्ति का स्रोत क्या है? ऐसे बच्चों में कानून का भय क्यों नहीं है? कभी लगता है कि हमारे जीवन का हिस्सा बने तकनीकी साधन बच्चों के विवेक पर आक्रमण कर रहे हैं। जिससे उनमें सही–गलत की सोच की प्रक्रिया बाधित हो रही है। कहा जा रहा है कि फिल्म, वेब सीरीज तथा इंटरनेट में व्याप्त आपराधिक कार्यक्रम उन्हें हिंसक बना रहे हैं। जिससे वे बेलगाम सपनों के संजाल में भी फंसते हैं, जिन्हें पूरा करने को वे हिंसक राह पर उतर जाते हैं।

पंजाब में भाजपा की सियासी उदासीनता का सवाल

ज्योति

लुधियाना पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में 19 जून को होने वाले मतदान से सत्रह दिन पहले, पंजाब भाजपा दो सवाल पूछ रही है। पहला, यह लुधियाना पश्चिम है कहां? और दूसरा, लुधियाना पश्चिम से है कौन? पार्टी की राज्य इकाई में चला हुआ संकट पिछले कई महीनों से बाकी पूरे देश में चल रही उस आंधी से बिल्कुल अलहदा है, जिसने जिस किसी पार्टी की सरकार पर नजर गड़ा दी, उसे ही ध्वस्त कर डाला है। हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली३यहां तक कि मणिपुर में भी भाजपा के लोग स्थानीय स्तर पर सरकार बदलने के प्रयास

में अधिकांश विधायकों (44) के समर्थन का दावा कर रहे हैं। चौबीसों घंटे बतौर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का वजूद रेखांकित करवाने के लिए भाजपा के धुआंधार प्रचार को ऑपरेशन सिंदूर की जरूरत नहीं है दृ अपने 90 करोड़ सदस्यों के साथ भाजपा का दावा है कि वह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से भी बड़ी है। निश्चित रूप से, ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल पार्टी के भीतर, बल्कि पूरे देश और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कद को बढ़ाया है। पहली बार उन्होंने ही पाकिस्तान के काफी अंदर जाकर आतंकी ढांचे को निशाना बनाने का फैसला लिया। फिर, जब पाकिस्तानियों ने बारामूला से भुज तक भारतीय सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों की बौछार करके जवाबी हमला किया, तो यह प्रधानमंत्री ही थे जिन्होंने पाकिस्तान के 11 ठिकानों और रनवे पर बमबारी करके हवाई युद्ध को आगे विस्तार देने का फैसला लिया। ब्रह्मोस मिसाइल ने निश्चित रूप से अपना काम बखूबी किया है, लेकिन रावलपिंडी स्थित पाकिस्तानी सेना मुख्यालय पर सीधा हमला करने के फैसले का श्रेय निश्चित रूप से पीएम मोदी को दिया जाना चाहिए। उनके अनन्य साथी, शक्तिशाली गृह मंत्री और मोदी के सबसे करीबी विश्वासपात्र अमित शाह के बारे में हम देख चुके हैं कि प्रधानमंत्री और उनके बीच निकटता इस कदर है कि जरा भी भेद नहीं है। मानो वे एक–दूसरे की बात को पूरा करते हैं। दोनों का, पार्टी और देश के मामलों में पूरा नियंत्रण है। अमित शाह के बारे में बार–बार कहा जाता है कि वे कुछ भी संयोग पर नहीं छोड़ते। ऐसा कहा जाता है कि चुनाव पंचायत का हो या लोकसभा का, हरेक को ऐसे लड़ते हैं, मानो वह महाभारत की बिसात पर हों और हर जवाबी चाल के तोड़ में तीन चालें पहले से सोचकर चलते हैं। भारत–पाकिस्तान संघर्ष के खत्म होने के कुछ ही दिनों के भीतर, जहां प्रधानमंत्री देश भर में दौरा करके लोगों को हाल ही में समाप्त हुए संघर्ष के बारे में अवगत करा रहे थे वहीं अमित शाह जमीन पर हुए नुकसान का आकलन करने के लिए जम्मू क्षेत्र में फिर से जा पहुंचे। शायद, यह सब कुछ नया नहीं है। साल 2014 में पार्टी के सत्ता में आने के बाद से मोदी–शाह ने भाजपा और देश को अपने मुट्ठी में कर रखा है दृ विपक्ष को विभाजित करना, समाज और मीडिया दोनों को प्रभावित करना, देवताओं का आह्वान करना और इसे राष्ट्रवाद से जोड़ देना, हालांकि, जैसा कि हम जानते हैं, हिंदू देवताओं के बारे में भी कई प्यारी चीजें हैं! सभी पार्टी अध्यक्षों, पिछले और वर्तमान, को यह बात अच्छी तरह पता है। हिमाचल प्रदेश से संबंध रखने वाले और सौम्य स्वभाव के वर्तमान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा तक को भी मालूम नहीं होगा कि उनका विस्तारित अध्यक्ष पद कब तक और कितने समय तक रहने वाला है। कहा जाता है कि आरएसएस पूरी तरह से मोदी की गाड़ी पर सवार है, हिंदुत्व का इसका संदेश देशभर में फैलाया जा रहा हैय अपने शताब्दी वर्ष में इससे ज्यादा और क्या चाहिए। तो, पहले प्रश्न पर वापस आते हैं। भाजपा में कोई भी, यहां तक कि मोदी–शाह को भी, पंजाब के एक हिस्से यानि लुधियाना पश्चिम में उपचुनाव की परवाह क्यों नहीं है, इसे देखते हुए कि पंजाब एक सीमावर्ती सूबा है, और अभी–अभी पाकिस्तान के साथ लगभग युद्ध जैसी स्थिति से गुजरा है, भले ही लड़ाई मुख्य रूप से हवाई युद्ध रहीय लेकिन संघर्ष विराम के एक दिन के भीतर ही आदमपुर में प्रधानमंत्री के अलावा और कोई नहीं आया क्योंकि यह दिखाना था कि एस–400 ने पाकिस्तान की हत्फ मिसाइलों को मार गिराया था। इस पूर्ण उदासीनता पर गौर करें। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ कई महीने पहले इस्तीफा दे चुके हैं और उनकी जगह किसी को लाने की कोई कोशिश नहीं की गई। प्रभावशाली अमरेंद्र सिंह, जिन्होंने कांग्रेस को सबक सिखाने के लिए पार्टी छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गए, राजनीति के मसलों से कोसों दूर हैं और गर्मियों में कहीं और घूमने की सोच रहे होंगे। गुजरात के विजय रूपानी, जो कि भाजपा के पंजाब प्रदेश प्रभारी हैं, अब एक तरह से छुप रहे हैं, लेकिन हर कोई यह सब देख रहा है। लुधियाना पश्चिम मुख्य रूप से हिंदू बहुल मतदान क्षेत्र है, यह तादाद 85 प्रतिशत तक है, जो वर्तमान में दो विधायकों वाली भाजपा के लिए बेहतर कर दिखाने के दृढ़ संकल्प के वास्ते एकदम सही जमीन है। यूं 2024 के लोकसभा चुनावों में भी भाजपा का प्रदर्शन बहुत बुरा नहीं रहा, जब 18 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। आपातकाल के दौरान पंजाब में काफी समय बिताने वाले प्रधानमंत्री के बारे में कहा जाता है कि उन्हें पंजाब से खासा लगाव है। लेकिन निश्चित तौर पर ऊहापोह है। लुधियाना के स्थानीय नेता बिक्रम सिंह सिद्धू के बारे में लुधियाना पश्चिम से संभावित उम्मीदवार होने की बात कही जा रही है दृ उन्होंने पिछली बार भी चुनाव लड़ा था दृ सिवाय इसके कि स्थानीय 'संगठन' या आरएसएस के मंत्री श्रीनिवासुलु, उन्हें पसंद नहीं करते और उन्हें तो 'संगठन' को पूरी तरह समर्पित एक अन्य स्थानीय व्यक्ति जीवन गुप्ता भा रहे हैं,लेकिन जैसा कि एक व्यक्ति ने चुटकी ली : '10 वोट भी नहीं मिलेंगे'। इस बीच, श्रीनिवासुलु पंजाब भाजपा में अलोकप्रिय हैं। एक तेलुगु भाषी सज्जन, जो शिद्दत से मीलों–मील दौरा करते हैं, इस 'पिंड' से उस 'पिंड' घूमते रहते हैं, लेकिन फायदा कुछ नहीं हो रहा। यह वास्तव में उनकी गलती नहीं है। पंजाबियों के लिए वे अजूबा हैं और पंजाबी उनके लिए। न्यूटन का तीसरा नियम यहीं लागू होता है रू 'हर क्रिया की बराबर और विपरीत प्रतिक्रिया होती है'। यकीनन, कश्मीर से कन्याकुमारी तक, वाया पंजाब और आंध्र प्रदेश , भारत एक है, लेकिन भाजपा को पता होना चाहिए कि मैगी में कुछ स्थानीय स्वाद का तड़का हमेशा पसंद किया जाता है। तो, मूल प्रश्न पर वापस आते हैं। भाजपा लुधियाना पश्चिम से लड़ने में दिलचस्पी क्यों नहीं ले रही?

प्रेम और घृणा के बीच मानवता का सफर

श्याम

प्रेम और घृणाकृहमारे भावनात्मक और सामाजिक ब्रह्मांड की दो सबसे शक्तिशाली शक्तियांकृन केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन को आकार देती हैं, बल्कि पूरी सभ्यताओं के उदय और पतन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एक उदाहरण प्रसिद्ध इतिहासकारकृयुवाल नोआ हरारी, इस्राइली विद्वान और होमो सेपियंस पुस्तक के लेखककृने साझा किया है। हरारी कहते हैं कि यदि आप एक इंसान और एक गोरिल्ला को किसी निर्जन द्वीप पर छोड़ दें, तो संभव है कि गोरिल्ला इंसान से अधिक समय तक जीवित रहेकृयहां तक कि वह इंसान को मार भी सकता है। लेकिन यदि आप दस इंसानों और सौ गोरिल्लाओं को उसी द्वीप पर छोड़ दें, तो लगभग निश्चित है कि इंसान जीतेंगे। वजह है कि इंसान संगठित हो सकते हैं, संवाद कर सकते हैं, रणनीति बना सकते हैं, और सबसे महत्वपूर्ण कि सामूहिक निर्णय ले सकते हैं। यही सामूहिक निर्णय लेने की क्षमता मानव समाज की नींव बनी ,जो सबसे पहले परिवार के रूप में प्रकट हुई। कल्पना कीजिए उस क्षण की, जब एक पुरुष और एक स्त्री साथ रहने का निर्णय लेते हैंकृ बच्चे का पालन–पोषण करते हैं, भोजन, आश्रय और भावनात्मक संबंध साझा करते हैं। यही सह–अस्तित्व मानव इतिहास का पहला सहयोगी निर्णय था। इसी पहले प्रेम और सहयोग की इकाई से कबीले बने, संस्कृतियां विकसित हुईं, धर्मों का उदय हुआ, और राष्ट्रों की नींव पड़ी। हम इस विचार को आदम और हव्वा की प्राचीन कथा में भी प्रतीक रूप में देख सकते हैंकृएक ऐसी कहानी जिस चाहे आप धर्म में विश्वास करें या नहीं, एक गहरी मनोवैज्ञानिक सच्चाई को प्रकट करती है। यह प्रेम, प्रलोभन, साथ, गलती और परिणाम की कहानी है। बीसवीं सदी के दार्शनिक जिद्दु कृष्णमूर्ति ने क्रांतिकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उनका कहना था कि आदम और हव्वा का मिलनकृ या आधुनिक विवाह संस्थाकृप्रेम पर नहीं, बल्कि आवश्यकता पर आधारित है। पारस्परिक निर्भरता, सुविधा, और यहां तक कि स्वार्थ भी इसमें शामिल हैं। कृष्णमूर्ति ने कहा, 'अधिकांश लोगों के लिए प्रेम का अर्थ है रू आराम, सुरक्षा और जीवनभर की भावनात्मक संतुष्टि की गारंटी।' साथ ही, विवाह में भी विश्वास और आपसी संतोष की एक नाजुक उम्मीद निहित होती है। यदि हम विवाह संस्था के इतिहास को देखें, तो पता चलता है कि यह एक पवित्र बंधन के रूप में शुरू होकर धीरे–धीरे अनुबंध और फिर कानूनी युद्धभूमि बन गई। तलाककृजो कुछ आदिम समाजों में भी मौजूद थाकृ सबसे पहले यूनानी–रोमनों ने कानून में दर्ज किया। बाद में, ईसाई और हिंदू धर्म ने इसे पाप माना, जबकि इस्लाम ने तलाक को स्वीकार किया, लेकिन अंतिम उपाय माना। दिलचस्प बात यह है कि इस्लाम ने पुरुषों के लिए तलाक की प्रक्रिया को सरल भी बनाया। समय के साथ, नवीनता, परिवर्तन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की इच्छा आजीवन प्रतिबद्धता के आदर्श से अधिक बलवती हो गई। और आज तलाक एक वैश्विक वास्तविकता बन चुका हैकृलगभग सामान्य। विवाह संस्था का पतन इसलिए नहीं हुआ कि मनुष्यों ने प्रेम करना बंद कर दिया, बल्कि इसलिए कि प्रेम की परिभाषा बदल गई है। अब हम प्रेम को केवल एक कर्तव्य के रूप में स्वीकार नहीं करते। हम चाहते हैं कि प्रेम मुक्त करे, न कि बंधन में डालेय समृद्ध करे, न कि दास बनाए। व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो परिवार, जो प्रेम और विश्वास से जन्मा था, वही बीज बना जिससे कबीले, समाज, धर्म और राष्ट्र विकसित हुए। विश्वास ने कानूनों को जन्म दिया, और मानव अधिकारों की अवधारणा का आधार रखा।

..... विविध .....

फिर से याद कर लीजिए कोरोना की ये 5 जरूरी सावधानियां

कोविड–19 एक बार फिर धीरे–धीरे लौटता नजर आ रहा है। हाल ही में कई शहरों में इसके केस बढ़ने लगे हैं। ऐसे में यह जरूरी हो गया है कि हम एक बार फिर सतर्क हो जाएं और वे सभी सावधानियां दोहराएं, जो हमने महामारी के दौर में अपनाई थीं। आज हर घर की चिंता बन चुका है। भले ही हमने कोरोना की लहरों का सामना कर लिया हो, लेकिन अगर लापरवाही बरती गई तो हालात फिर बिगड़ सकते हैं। इसलिए इन 5 जरूरी कोविड गाइडलाइंस को दोबारा से अपनाना बेहद जरूरी है।

मास्क पहनना फिर से बनाएं आदत

अब जब लोग फिर से बाजार, मॉल और ऑफिस जैसी भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने लगे हैं, तो मास्क पहनना बहुत जरूरी हो गया है। मास्क न केवल आपको संक्रमण से बचाता है, बल्कि दूसरों को भी सुरक्षित रखता है। खासकर बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों को मास्क जरूर पहनना चाहिए।

हाथ धोना और सैनिटाइजर का उपयोग न भूलें

हाथों की साफ–सफाई एक छोटी सी आदत है, जो आपको बड़ी बीमारी से बचा सकती है। बाहर से आने के बाद, खाना खाने से पहले और किसी चीज को छूने के बाद। साबुन या सैनिटाइजर से अच्छी तरह हाथ जरूर धोएं।

सोशल डिस्टेंसिंग को फिर अपनाएं

सार्वजनिक जगहों जैसे रेस्टोरेंट, मेट्रो, ऑफिस, या स्कूल में। कम से कम 2 गज की दूरी बनाए रखें। छोटे से एहतियात से बड़ी मुश्किलों से बचा जा सकता है।

सर्दी–खांसी को हल्के में न लें

अगर आपको या घर के किसी सदस्य को। खांसी, जुकाम, बुखार, गले में खराश। जैसे लक्षण हों, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। घर पर रहें और दूसरों से दूरी बनाकर रखें। टेस्ट कराएं और आइसोलेट रहें।

बूस्टर डोज और वैक्सीनेशन करवाना न भूलें

बहुत से लोगों ने अभी तक बूस्टर डोज नहीं लगवाई है। बूस्टर डोज आपकी इम्यूनिटी को मजबूत बनाता है, बच्चों का भी टीकाकरण करवाना जरूरी है, इससे गंभीर लक्षणों का खतरा कम होता है।

सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

आज जब हम थोड़े सहज हो गए हैं, कोरोना एक बार फिर हमें चेतावनी दे रहा है कि सुरक्षा में ही समझदारी है। इन 5 आसान गाइडलाइंस को अपनाकर हम न केवल अपने परिवार को, बल्कि पूरे समाज को सुरक्षित बना सकते हैं।

किडनी स्टोन होने पर महिलाएं प्रेग्नेंट हो सकती हैं

कई महिलाएं जब फैमिली प्लानिंग के बारे में सोचती हैं तो उनके मन में एक सवाल आता है अगर मुझे किडनी की पथरी है तो क्या मैं प्रेग्नेंट हो पाऊंगी?श ये चिंता बिलकुल आम है, खासकर जब शरीर में पहले से कोई हेल्थ प्रॉब्लम चल रही हो। किडनी स्टोन सुनने में भले ही छोटी बात लगे, लेकिन जब बात प्रेग्नेंसी की होती है तो हम हर छोटी चीज को लेकर सतर्क हो जाते हैं। इस आर्टिकल में हम आसान भाषा में समझेंगे कि किडनी स्टोन और प्रेग्नेंसी का आपस में क्या रिश्ता है, और किन बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है।

क्या महिलाओं को किडनी स्टोन होने से प्रेग्नेंसी में दिक्कत होती है?

प्रेग्नेंसी कंसीव करने में कोई सीधी रुकावट नहीं होतीरू अगर किडनी स्टोन छोटी है और कोई गंभीर लक्षण नहीं है, तो महिलाएं सामान्य रूप से गर्भधारण कर सकती हैं। किडनी स्टोन का महिला की प्रजनन क्षमता (मितजपसपजल) पर सीधा असर नहीं होता।

लेकिन कुछ स्थितियों में परेशानी हो सकती है जैसे

बार–बार स्टोन बननारू अगर बार–बार स्टोन बनते हैं तो इससे किडनी पर असर पड़ सकता है, जिससे शरीर की सेहत कमजोर हो सकती है, और इससे गर्भधारण में परेशानी आ सकती है।

स्टोन के कारण संक्रमण– अगर स्टोन की वजह से बार–बार यूरिन इन्फेक्शन होता है तो ये गर्भधारण को प्रभावित कर सकता है।

किडनी डैमेजरू अगर स्टोन के कारण किडनी को नुकसान पहुंचा है तो हार्मोनल बैलेंस बिगड़ सकता है, जो प्रेग्नेंसी में रुकावट ला सकता है।

अगर किडनी स्टोन के साथ महिला प्रेग्नेंट हो जाए तो क्या होता है?

प्रेग्नेंसी के दौरान किडनी पर पहले से ज्यादा दबाव पड़ता है। अगर पहले से स्टोन है, तो प्रेग्नेंसी के दौरान दर्द, इन्फेक्शन या यूरिन रुकने की समस्या हो सकती है। डॉक्टर की सलाह और नियमित चेकअप बहुत जरूरी हो जाते हैं।

इलाज और बचाव

ज्यादा पानी पीना– हर दिन 8–10 गिलास पानी पीने से यूरिन साफ रहता है और पथरी बनने की संभावना कम होती है।

डाइट का ध्यान– कैल्शियम और ऑक्सलेट की मात्रा संतुलित रखें (पालक, चाय, चॉकलेट कम खाएँ अगर बार–बार स्टोन बनते हैं)।

डॉक्टर से समय–समय पर जांच– अगर पहले से किडनी स्टोन की समस्या रही है ।

सजना-संवरना पड़ सकता है भारी, मेकअप से हो सकती है ये गंभीर बीमारी

आजकल मेकअप सिर्फ फैशन नहीं बल्कि डेली लाइफ का हिस्सा बन गया है। खासकर महिलाओं के लिए ऑफिस, पार्टी या यात्रा के दौरान खूबसूरत दिखना जरूरी होता है, इसलिए वे वाटरप्रूफ मेकअप का इस्तेमाल करती हैं। ये मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है और पसीना या पानी लगने पर भी खराब नहीं होता। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये वाटरप्रूफ मेकअप आपके हार्मोन बैलेंस को बिगाड़ सकता है?

हार्मोन असंतुलन क्या है?

जब शरीर में किसी हार्मोन की मात्रा बहुत ज्यादा या बहुत कम हो जाती है, तो उसे हार्मोन असंतुलन कहा जाता है। महिलाओं में इसके कारण पीसीओएस, थायराइड, वजन बढ़ना, अनियमित पीरियड्स, मूड स्विंग, नींद की दिक्कत और त्वचा व बालों की समस्याएं हो सकती हैं।

एक्सपर्ट्स क्या कहते हैं?

एक रिसर्च के अनुसार, हार्वर्ड पब्लिक स्कूल ने वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स पर स्टडी की जिसमें पाया गया कि इनमें हाई फ्लोरीन (थ्सनवतपदम) जैसे केमिकल्स पाए जाते हैं। ये केमिकल्स शरीर के हार्मोन्स जैसे एस्ट्रोजन और टेस्टोस्टेरोन को प्रभावित कर सकते हैं। लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर इससे बांझपन, हार्मोनल बीमारियां और यहां तक कि स्तन कैंसर का खतरा भी बढ़ सकता है।

कैसे वाटरप्रूफ मेकअप हार्मोन असंतुलन का कारण बनता है?

1. फिनोक्सीएथेनॉल

इस केमिकल का इस्तेमाल मेकअप प्रोडक्ट्स को लंबे समय तक खराब होने से बचाने के लिए होता है। यह त्वचा के जरिए शरीर में जाकर एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन की नकल करता है, जिससे शरीर की प्राकृतिक हार्मोन प्रक्रिया बाधित हो सकती है। रिसर्च में ये भी सामने आया है कि यह थायराइड ग्रंथि को भी प्रभावित कर सकता है।

2. फ्थेलेट्स

इनका इस्तेमाल मेकअप को सॉफ्ट और लचीला बनाने के लिए किया जाता है। खासकर क्म्प्च और क्ठच नामक फ्थेलेट्स को टेस्टोस्टेरोन को कम करने से जोड़ा गया है। इससे पुरुषों में स्पर्म की गुणवत्ता और प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है। महिलाओं में ये हार्मोनल बदलाव और गर्भधारण में दिक्कत पैदा कर सकता है।

3. पैराबेन्स

यह एक प्रिजर्वेटिव है जो काजल, लिपस्टिक, फाउंडेशन आदि में मिलाया जाता है। यह शरीर में जाकर एस्ट्रोजन रिसेप्टर्स को सक्रिय कर देता है, जिससे एस्ट्रोजन की मात्रा बढ़ जाती है। इसके कारण अनियमित पीरियड्स, मूड स्विंग, ब्रेस्ट में गांठ और कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

ये केमिकल खासतौर पर लोकल ब्रांड्स में ज्यादा मिलाए जाते हैं ताकि मेकअप ज्यादा आकर्षक लगे। लेकिन ये शरीर में जमा होकर प्रजनन हार्मोन्स को प्रभावित करते हैं और मेनोपॉज संबंधी दिक्कतों का कारण बन सकते हैं।

कैसे करें बचाव?

मेकअप प्रोडक्ट खरीदने से पहले उसकी सामग्री (प्दहतमकपमदजे) का लेबल जरूर पढ़ें।

जिन उत्पादों में ऊपर बताए गए केमिकल्स हों, उनसे बचें।

जब भी संभव हो, ऑर्गेनिक या नेचुरल मेकअप प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल करें।

त्वचा पर कम से कम केमिकल युक्त चीजें लगाएं।

खूबसूरत दिखने की चाह में हम अनजाने में अपने स्वास्थ्य से समझौता कर बैठते हैं। वाटरप्रूफ मेकअप भले ही सुविधाजनक हो, लेकिन इसका लंबे समय तक लगातार इस्तेमाल नुकसानदेह हो सकता है।

चंपत राय की दो टूक, प्राण प्रतिष्ठा शब्द सुनकर कृपया न आएं, किसी को बुलाया नहीं गया

लखनऊ, (संवाददाता)। अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा है कि तीन, चार व पांच जून को किसी को आमंत्रित नहीं किया गया है। कोई भी प्राण प्रतिष्ठा शब्द सुनकर अयोध्या ना आए। वही लोग अयोध्या आएं जिन्हें

रामलला का दर्शन करना होगा। प्राण प्रतिष्ठा की वजह से इस दौरान न आएं। उन्होंने कहा कि अभी मौसम भी अनुकूल नहीं है। राम दरबार व परकोटे में बनाए गए मंदिरों का दर्शन श्रद्धालु अभी कुछ महीने नहीं कर पाएंगे। राम मंदिर निर्माण की बाधाएं अभी सामने आ रही हैं। चंपत राय ने कहा कि पांच जून को राम दरबार व परकोटे में बने मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। आज दो जून को शाम 4रू00 बजे सरयू तट से राम मंदिर के लिए निकलेगी जल कलश यात्रा। कल तीन जून 6रू30 बजे अनुष्ठान शुरू होगा।

राजा राम के दरबार की होगी स्थापना

22 जनवरी 2024 को भगवान श्रीराम बालक राम के रूप में स्थापित किए गए थे। अब दूसरी प्राण प्रतिष्ठा में भगवान राम राजा के रूप में स्थापित किए जाएंगे। राम मंदिर के पहले तल पर राजाराम का दरबार होगा। इस दरबार में भगवान राम उनके अनुज लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, माता जानकी और सेवक हनुमान होंगे। पांच जून को अयोध्या में पूरी तरह से बन कर तैयार राम मंदिर के दूसरे प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। अयोध्या पहुंच रहे श्रद्धालुओ में भी भारी उत्साह है। रामलला के दर्शन करने के बाद राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्रद्धालु उत्साहित हैं। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था के बारे में एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि रामनगरी फुलप्रूफ सुरक्षा के लिहाज से परिपूर्ण है। जो भी कार्यक्रम स्थल हैं, वहां पर अतिरिक्त सुरक्षा बल लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही जो श्रद्धालु अयोध्या में दर्शन करने आ रहे हैं, उनको भी कोई दिक्कत न होने पाए, इसका भी ख्याल रखा जा रहा है।

उप मंदिरों में सात देव विग्रहों की होगी प्राण प्रतिष्ठा

राजा राम के साथ सात अन्य उप मंदिरों में भी स्थापित मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसमें परकोटा के ईशान कोण पर शिवलिंग, अग्नि कोण में प्रथम पूज्य श्रीगणेश, दक्षिणी भुजा के मध्य में महाबली हनुमान, नैरित्र कोण में प्रत्यक्ष देवता सूर्य, वायव्य कोण में मां भगवती, उत्तरी भुजा के मध्य में अन्नपूर्णा माता के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसके साथ ही मुख्य मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार और परकोटा के दक्षिणी पश्चिमी कोने में शेषावतार प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होगी।

चंद्रशेखर की टिप्पणी पर मायावती ने किया पलटवार, कहा– बरसाती मेंढक नहीं कर सकते हैं आपका भला

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद द्वारा आकाश आनंद को लेकर कसे तंज पर पलटवार करते हुए

कहा कि बसपा को कमजोर करने वाले संगठन और दल बरसाती मेंढक की तरह हैं, जो विधायक, सांसद या मंत्री क्यों ना बन जाएं, इनसे समाज का कुछ भला होने वाला नहीं है। बसपा सुप्रीमो ने सोमवार को जारी अपने बयान में कहा कि देश में बसपा ही बहुजन हित की एकमात्र आंबेडकरवादी पार्टी है। पार्टी हित में लोगों पर कार्रवाई करने व पश्चाताप करने पर उन्हें वापस लेने की परंपरा है। इसी क्रम में आकाश आनंद के उतार–चढ़ाव व उन्हें मुख्य नेशनल कोआर्डिनेटर बनाने से बहुत से लोगों में बेचौनी स्वाभाविक है। पार्टी को उम्मीद है कि अब आकाश आनंद डॉ. भीमराव आंबेडकर एवं कांशीराम के आत्म–सम्मान के कारवां को आगे बढ़ाने व उनके सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी पूरी तनम्यता व जी–जान से निभाएंगे। पार्टी को अवसरवादी व स्वार्थी लोगों की कतई जरूरत नहीं है। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद का नाम लिए बिना कहा कि वैसे भी कांग्रेस, भाजपा व सपा आदि पार्टियों के सहारे व इशारे पर चलकर बहुजनों की एकता व बसपा को कमजोर करने वाले बरसाती मेंढकों की तरह के संगठन व दलों के नेता चाहे निजी स्वार्थ में विधायक, सांसद व मंत्री क्यों ना बन जाएं, इनसे समाज का कुछ भला होने वाला नहीं है। लिहाजा लोग इनसे सावधान रहें। बता दें कि चंद्रशेखर आजाद ने रविवार को कहा था कि आकाश आनंद को जनता नकार चुकी है। उन्हें मजबूरी में निकाला और रखा जा रहा है। बसपा के पास और कोई विकल्प नहीं है। बसपा में आकाश आनंद की दोबारा वापसी पर चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि जनता उन्हें नकार चुकी है। मजबूरीवश उन्हें निकाला और लिया जा रहा है। उनके पास कोई विकल्प नहीं है। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती का मैं सम्मान करता हूं। कांशीराम और भीमराव अंबेडकर के मिशन को अब हमारी पार्टी पूरा करेगी। चंद्रशेखर ने कहा कि बाबा साहब कहते थे कि मुर्दा लोग मिशन नहीं चलाते और जिंदा मिशन को नहीं छोड़ते। कांशीराम के संदेश और मिशन को आगे बढ़ने का काम आजाद समाज पार्टी कर रही है। एमपी–एमएलए और मंत्री बनना हमारा सपना होता, तो हमारी पार्टी के प्रथम पंक्ति में बैठे लोग आज किसी पार्टी में मंत्री होते।

संक्षिप्त समाचार

राज्य संग्रहालय में हैप्पी अवर्स कार्यक्रम शुरू, बच्चों ने अभिव्यक्त की अपनी कल्पनाएं

लखनऊ, (संवाददाता)। स्थित राज्य संग्रहालय में आज संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा ग्रीष्मकालीन शैक्षिक गतिविधियों की श्रृंखला में 'हैप्पी अवर्स (खुशियों की पाठशाला)' कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में फूडीकस डे केयर स्कूल, कानपुर रोड के लगभग 30 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत संग्रहालय भ्रमण से हुई, जहां बच्चों को संग्रहालय की विभिन्न कलाकृतियों, प्राचीन वस्तुओं और सांस्कृतिक धरोहरों से परिचित कराया गया। इसके बाद बच्चों को पेपर और रंग वितरित कर उनकी रचनात्मकता और कल्पनाशीलता को प्रकट करने का अवसर दिया गया। श्हैप्पी अवर्सश विषय पर आधारित इस गतिविधि में बच्चों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से कागज पर उकेरा।चित्रों में बच्चों ने स्माइली, पेड़, फूल, जानवर, पहाड़, घर जैसी आसपास की प्राकृतिक और सामाजिक चीजों को दर्शाया, जो उनके पर्यावरण से जुड़ाव और भावनात्मक समझ को स्पष्ट करता है। प्रतिभागियों की आयु 3 से 12 वर्ष के बीच थी, और उनकी बाल–सुलभ कल्पनाओं ने आयोजन में जीवंतता भर दी।संग्रहालय द्वारा आयोजित यह पहल बच्चों को न केवल कला और संस्कृति से जोड़ती है, बल्कि उन्हें अभिव्यक्ति के माध्यम से आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच विकसित करने में भी सहायक होती है।

बरेली स्थित एसआरएम राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में पहुंचे मंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु

लखनऊ उत्तर प्रदेश के आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एमओएस) डॉ. दयाशंकर मिश्र "दयालु" ने आज बरेली स्थित एसआरएम राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय का निरीक्षण किया। उनके साथ महाविद्यालय के प्राचार्य एवं अधीक्षक प्रो. डी.के. मौर्य भी उपस्थित रहे।निरीक्षण की शुरुआत सभागार में भगवान धन्वंतरि के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर मंत्री ने चिकित्सकों को सामाजिक भाव से रोगियों की सेवा करने की प्रेरणा दी। उन्होंने नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए छात्रों से क्षारसूत्र चिकित्सा, पंचकर्म, शल्य विभाग सहित अन्य विभागों की गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया।शल्य विभाग में हो रहे कार्यों की विशेष चर्चा करते हुए उन्होंने डॉ. मनोज कुरील से अपील की कि असाध्य रोगों के सफल उपचार की जानकारी जनसामान्य तक पहुंचाई जाए, जिससे अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।निरीक्षण के दौरान मंत्री ने शरीर रचना विभाग, पुस्तकालय, डिजिटल लाइब्रेरी, द्रव्यगुण, रसशास्त्र, पंचकर्म हॉल, ऑपरेशन थिएटर, दंत विभाग, पैथोलॉजी, गठिया केंद्र, स्क्रीनिंग कक्ष एवं पंजीकरण कक्ष सहित संस्थान के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण किया और कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्होंने महाविद्यालय के जिम का भी निरीक्षण किया।इस अवसर पर स्थानीय कैंट विधायक संजीव अग्रवाल भी मौजूद रहे। उन्होंने कॉलेज के विस्तार के लिए भूमि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।कार्यक्रम में आयुर्वेद निदेशालय से शिक्षा प्रभारी डॉ. संतोष सिंह, चिकित्सालय प्रभारी डॉ. चन्द्रभान सिंह, प्रो. प्रीति शर्मा, प्रो. योगेश कुमार, डॉ. अतुल कुमार, डॉ. शांतुल गुप्ता, डॉ. दीपक आहूजा, डॉ. अरुणेन्द्र सिंह, डॉ. अजय यादव, डॉ. रिकी, डॉ. मधु, डॉ. वंदना सहित अनेक अधिकारी, शिक्षक एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।

इलाज से पहले ही दम तोड़ देते हैं सिर की चोट वाले 49 फीसदी घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। सड़क दुर्घटना में सिर पर चोट लगने वाले करीब 48.67 फीसदी यानी करीब 49 फीसदी घायल अस्पताल नहीं पहुंच पाते हैं। मौके पर या अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो जाती है। इनमें से सबसे ज्यादा संख्या दोपहिया वाहन चालकों की होती है। लखनऊ के केजीएमयू, लोहिया संस्थान और प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू (एमएलएन) मेडिकल कॉलेज के साझा अध्ययन में ये निष्कर्ष सामने आए हैं। इसे जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड साइंस के मई के अंक में स्थान मिला है। यह अध्ययन प्रयागराज के एमएलएन मेडिकल कॉलेज के आशीष कुमार सिंह के साथ ही केजीएमयू के सचिन कुमार त्रिपाठी और लोहिया संस्थान के राजीव रतन सिंह, रिचा चौधरी और प्रदीप कुमार यादव ने किया है। एमएलएन के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन हॉस्पिटल) में सिर की चोट के बाद पहुंचे 604 मरीजों पर यह अध्ययन किया गया। ये सभी अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के बीच सड़क दुर्घटना में घायल हुए थे। इनकी तुरंत या इलाज के दौरान मौत हो गई थी। अध्ययन के दौरान देखा गया कि सिर की चोट के बाद जान गंवाने वालों में से 51.32 फीसदी की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। वहीं, 21.85 फीसदी की मौत मौके पर ही हुई। इसके अलावा 26.82 फीसदी घायलों की जान अस्पताल ले जाते समय रास्ते में चली गई। इस तरह 48.67 फीसदी घायल अस्पताल तक नहीं पहुंच सके।

दोपहिया वाहन सवार सबसे ज्यादा घायल

अध्ययन के मुताबिक, सड़क दुर्घटना में सिर की चोट वाले कुल घायलों में से 52.48ः दोपहिया वाहन सवार थे। दूसरे नंबर पर 25.17% चार पहिया वाहन वाले थे। सिर की चोट वाले बाकी घायलों में से 8.44% पैदल, 6.24 फीसदी साइकिल सवार, 2.48% तिपहिया वाहन सवार और 5.13ः बेहद धीमी गति से चलने वाले वाहनों सवार थे।

मुख्य मार्ग पर सबसे ज्यादा टक्कर

रिपोर्ट के मुताबिक 52.98% की टक्कर मुख्य मार्ग पर हुई। वहीं, 26.16ः मुख्य मार्ग के मोड़ पर घायल हुए। इसी तरह 8.11ः गलियों में और 11.42% गली के मोड़ पर घायल हुए। 43.71% आमने–सामने सीधी टक्कर में तो 21.52% को खुद के वाहन से गिरकर चोटिल हुए। 53.15% मामलों में दो वाहनों की टक्कर हुई। 25.33% यानि एक चौथाई मामलों में दो से ज्यादा वाहनों की टक्कर हुई।

दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर लगाएं

केजीएमयू के ट्रॉमा सर्जरी विभाग के डॉ. वैभव जायसवाल ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले ज्यादातर लोग दोपहिया वाहन सवार होते हैं। इनमें भी बिना हेलमेट वालों की स्थिति गंभीर होती है। इसलिए सभी को सलाह दी जाती है कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर लगाएं।

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए बोधि यात्रा का आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और बौद्ध पर्यटन स्थलों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा श्बोधि यात्राश नामक एक विशेष फैम ट्रिप का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा 2 जून से 7 जून 2025 तक विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित होगी, जिसमें कम्बोडिया, लाओ पीडीआर, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम जैसे छह आसियान देशों के कुल 50 प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें ट्रैवल एजेंट्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, पत्रकार, और बौद्ध भिक्षु शामिल हैं।यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य भगवान बुद्ध से जुड़े उत्तर प्रदेश के प्रमुख स्थलों का अवलोकन कराना है, जिससे न सिर्फ सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूती मिलेगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सर्किट में उत्तर प्रदेश की पहचान और सशक्त होगी। यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल आगरा, लखनऊ, श्रावस्ती, कपिलवस्तु, कुशीनगर, वाराणसी और सारनाथ जैसे ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करेगा।बोधि यात्रा की शुरुआत दिल्ली एयरपोर्ट से होगी, जहां से प्रतिनिधिमंडल सीधे आगरा पहुंचेगा और ताजमहल के दर्शन के बाद लखनऊ आएगा। तीसरे दिन यात्रा श्रावस्ती पहुंचेगी, जहां आनंद बोधि वृक्ष, जेतवन विहार, सहेठ–महेठ, महामांगकोल, चाईटैम्पुल और ओराझार जैसे प्रमुख बौद्ध स्थलों का भ्रमण होगा। इसके बाद कपिलवस्तु, कुशीनगर और अंत में वाराणसी एवं सारनाथ में यात्रा संपन्न होगी।कुशीनगर में प्रतिनिधि मठकुंवर श्राइन, महापरिनिर्वाण स्तूप, रामभर स्तूप, म्यांमार बुद्ध विहार, जापान, श्रीलंका, वट थाई और चीनी बौद्ध मंदिरों का अवलोकन करेंगे। वहीं वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन के साथ–साथ धामेक स्तूप, चौखंडी स्तूप, बोधिवृक्ष, अशोक स्तंभ और मूलगंध कुटी का भ्रमण करेंगे।सारनाथ में यात्रा का समापन होगा, जहां बिहार सरकार की ओर से प्रतिनिधियों का स्वागत किया जाएगा और इसके बाद बिहार के बौद्ध स्थलों की यात्रा आरंभ होगी। मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि यह पहल भारत और आसियान देशों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन को नया आयाम देने का काम करेगी। साथ ही, उत्तर प्रदेश को वैश्विक बौद्ध पर्यटन मानचित्र पर एक मजबूत उपस्थिति दिलाने में सहायक सिद्ध होगी।

नालियों में न बहाएं खून... सफाई का रखें ध्यान

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के ईदगाह इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने सोमवार को श्ईद–उल–अजहाश पर्व को लेकर एडवाइजरी जारी की है। 12 सूत्रीय एडवाइजरी में उन्होंने साफ–सफाई से लेकर कुर्बानी तक के लिए कई बातें कहीं। फरंगी महली ने मुसलमानों को सलाह दी कि कुर्बानी की रस्म अदा करते समय स्वच्छता का ध्यान रखें। आसापास साफ–सफाई बनाए रखें। सड़क किनारे या गलियों में कुर्बानी की रस्म नहीं करें। निर्धारित स्थानों पर ही इसे अदा करें। सैनिकों की सुरक्षा के लिए भी दुआ करें आगे कहा कि खून को नालियों में बहाने से बचना चाहिए। इसे कच्ची मिट्टी में दबा दें। ताकि यह पौधों के लिए खाद का काम करे। कुर्बानी की रस्म का कोई वीडियो या फोटो न लें और न ही सोशल मीडिया पर पोस्ट करें। कुर्बानी के जानवर का एक हिस्सा गरीबों और जरूरतमंदों में बांटें। अपने परिवार के साथ–साथ सीमा पर हमारे देश की रक्षा करने वाले सैनिकों की सुरक्षा के लिए भी दुआ करें।

रात से पलटेगा मौसम दो दिन तक पूरे प्रदेश में बारिश

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में गर्मी की तपिश जारी है। सोमवार को भी पूरे प्रदेश में गर्मी की आशंका है। हालांकि सोमवार की शाम से मौसम के बदलाव का अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के पश्चिमी जिलों में मौसम पूरी तरह से बदल सकता है। बाकी जगहों पर कोई खास बदलाव नहीं होगा। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को पूरे प्रदेश में बारिश के आसार हैं। इससे तापमान चार डिग्री तक कम होने का अनुमान है। रविवार को पूरे दिन लोग भीषण उमस से परेशान रहे। झांसी, प्रयागराज और अमेठी में तापमान 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को पूरे प्रदेश में बारिश होगी। यह सिलसिला बुधवार और बृहस्पतिवार को भी कई इलाकों में जारी रहेगा। इस दौरान कई जगह 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलेगी जिससे गर्मी से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि पांच जून से गर्मी बढ़ना शुरू होगी और तापमान में 3 से 5 डिग्री चढ़ेगा। इस दौरान पछुवा हवा चलेगी। देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकरनगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल और बदायूं।

सेवानिवृत्त हुए पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार ने लिखी भावुक पोस्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार ने रविवार सुबह एक्स पर अपने साथ काम कर चुके सहयोगियों, दोस्तों और पुलिस के सभी योद्धाओं को

संबोधित भावुक पोस्ट लिखी। इसमें उन्होंने लिखा कि इस पद को बिना किसी पछतावे के गर्व के साथ छोड़ रहा हूं। मेरी प्रार्थनाएं, सम्मान और समर्थन हमेशा आप सबके साथ रहेगा। 31 मई को घर जाने पर जब अपने जूते उतारे तो मेरा दिल कृतज्ञता, गर्व और अपनेपन की भावना से भर गया। यह सिर्फ विदाई नहीं है, बल्कि रुकने, चिंतन करने और सेवा की इस असाधारण यात्रा में मेरे साथ चलने के लिए आप सभी को धन्यवाद देने का क्षण है। वे सिपाही जो ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए तेज बारिश में खड़ा रहता है, जो अधिकारी रात भर जागकर केस को सुलझाता है, वह इस पुलिस बल की सच्ची आत्मा है। हम सबने साथ में त्रासदी, विजय और परिवर्तन का सामना किया है। पुलिसिंग को आधुनिक बनाया, साइबर अपराध और अन्य विपरीत परिस्थितियों का सामना किया। इससे बढ़कर सबका विश्वास जीता। खाकी में नागरिकों का विश्वास बढ़ा। अंत में लिखा कि यूनीफॉर्म अस्थायी है, ड्यूटी हमेशा है।लखनऊ, (संवाददाता)। डीजीपी के पद से सेवानिवृत्त हुए प्रशांत कुमार का 14 माह का कार्यकाल माफिया व अपराधियों को धूल चटाने वाला रहा। उन्होंने महाकुंभ, राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह समेत कई बड़े आयोजनों में पुलिस के आतिथ्य सत्कार की नई मिसाल पेश कर धाक भी जमाई। भाजपा सरकार के पहले कार्यकाल में मेरठ जोन का एडीजी रहने के दौरान उन्होंने पश्चिमी यूपी के तमाम कुख्यात अपराधियों का सफाया कराया, जिसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें एडीजी कानून व्यवस्था बना दिया। उन्होंने मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद जैसे माफिया और उनके गैंग के सदस्यों की कमर तोड़ी, तो सीएम ने उनको 31 जनवरी 2024 को डीजीपी बना दिया। शनिवार को सेवानिवृत्त होने पर उन्होंने कई पूर्व डीजीपी की परंपरा का पालन किया और रैतिक परेड जैसी औपचारिकताओं से दूर रहे।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया विकास परियोजनाओं की समीक्षा, अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रयागराज के सर्किट हाउस सभागार में रविवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में सांसद, विधायकगण, जिलाधिकारी, अपर पुलिस आयुक्त, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी, नगर निगम, विद्युत विभाग, एनएचएआई, एयरपोर्ट सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन रिंग रोड की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि रिंग रोड को 7–8 सेक्टरों में विभाजित करते हुए इसके अंदर–बाहर एक किलोमीटर की परिधि में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवासीय, व्यावसायिक, खेल और मनोरंजन से जुड़ी योजनाओं को विकसित किया जाए। प्रयागराज विकास प्राधिकरण और आवास विकास परिषद को इस क्षेत्र के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया गया। अवैध प्लाटिंग रोकने के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाने को भी कहा गया।विद्युत आपूर्ति की समस्याओं पर जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सवालों का संज्ञान लेते हुए उपमुख्यमंत्री ने बिजली विभाग को लाइन लॉस रोकने के साथ–साथ उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, अवैध बिलिंग पर रोक और सही बिलिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि एक नया ऑनलाइन कंज्यूमर एप विकसित किया गया है, जिसके जरिए उपभोक्ता लोड बढ़ाने, बिल डाउनलोड व भुगतान समेत अन्य सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। इस ऐप के व्यापक प्रचार–प्रसार का भी निर्देश दिया गया।उपमुख्यमंत्री ने स्टेट लैंड पर अवैध कब्जों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए और नगर निगम को इन जमीनों की तारबंदी कर विकास योजनाओं के तहत विकसित करने के लिए कहा। राजस्व, पुलिस, बिजली और विकास विभाग के अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ ब्लॉक स्तर पर नियमित बैठकें करने और चौपालों के माध्यम से जनसमस्याओं के समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा गया।बरसात पूर्व नालों की सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा गया ताकि जलभराव की स्थिति न उत्पन्न हो। महाकुंभ से संबंधित अधूरी परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने और सूख चुके पौधों के संरक्षण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आगामी 5 जून पर्यावरण दिवस पर सभी लोग अपनी मां के नाम पर एक पौधा अवश्य लगाएं।

जनप्रतिनिधियों द्वारा भेजे गए जनशिकायत प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण को प्राथमिकता देने की बात कही गई और ऐसे प्रकरणों के लिए अलग रजिस्टर बनाने का निर्देश दिया गया। ष्हर घर नल से जलष योजना की समीक्षा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने जहां–जहां जल आपूर्ति नहीं पहुंची है, वहां तुरंत कार्यवाही कर आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा और लापरवाह एजेंसियों पर कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए।बैठक में तीन साल से अधिक समय से एक ही पटल पर कार्यरत कर्मचारियों के पटल परिवर्तन और कार्य में लापरवाही बरतने वाले चौकी प्रभारियों का स्थानांतरण एक सप्ताह में करने के निर्देश भी दिए गए।

संजय सिंह के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न

लखनऊ, (संवाददाता)। रविवार को आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह की अगुआई में प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रज प्रांत के विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में संगठन विस्तार, जनमुद्दों और आगामी चुनावों को लेकर रणनीति तय की गई।संजय सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति बीते 75 वर्षों से जाति और धर्म के जंजाल में उलझी हुई है और इससे बाहर निकालने की जिम्मेदारी आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं की है। उन्होंने मंच से घोषणा करते हुए कहा कि आगामी जिला पंचायत चुनाव पार्टी अपने दम पर लड़ेगी।उन्होंने योगी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमराई हुई है, महिलाएं असुरक्षित हैं और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है।

उन्होंने हाल ही में आगरा में 5 साल की बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और सहारनपुर की एक युवती द्वारा छेड़खानी से तंग आकर जहर खाने की घटना को सरकार की नाकामी बताया।संजय सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर मोदी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इसका प्रचार "वन नेशन, वन हसबैंड" योजना के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए सवाल किया कि क्या मोदी जी चाहते हैं कि देश की सारी महिलाएं उन्हें अपना पति मान लें? उन्होंने इस प्रचार को मानसिक दीवालियापन करार दिया।उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी पहले ही पाकिस्तान को देकर सरकार ने सेना और देश के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह जवाब देना चाहिए कि आतंकवादी पहलगाम में पहुंचे कैसे, अब तक मारे क्यों नहीं गए और ट्रंप के दबाव में सीजफायर क्यों घोषित किया गया।उन्होंने गौ रक्षा के नाम पर हो रही हिंसा पर भी चिंता जताते हुए कहा कि अलीगढ़ में 25 मई को चार लोगों को गोमांस ले जाने के झूठे आरोप में बेरहमी से पीटा गया। ऐसे मामले कानून व्यवस्था का मजाक बनाते हैं और आपराधिक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देते हैं।सम्मेलन में ब्रज प्रांत अध्यक्ष डॉ. हृदेश चौधरी ने सभी जिलों से आए कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि पार्टी का विस्तार गांव–गांव तक किया जाएगा। सदस्यता अभियान और रचनात्मक कार्यों के जरिए आम लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा।इस अवसर पर यूपी सहप्रभारी दिलीप पांडेय, विधायक चौधरी सुरेंद्र कुमार, अनिल झा, विशेष रवि, सभाजीत सिंह, हृदेश चौधरी, दिनेश पटेल, वंशराज दुबे, विनय पटेल, फिरोजाबाद जिलाध्यक्ष शीलेंद्र वर्मा, महासचिव धर्मेंद्र शर्मा, महानगर अध्यक्ष उदय राज सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुंदरकांड एवं भंडारे में शामिल हुए राज्य मंत्री गिरिश चंद्र यादव प्रसाद किया वितरित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार गिरीश चन्द्र यादव द्वारा ज्येष्ठ माह के चतुर्थ मंगलवार के अवसर पर कोतवाली चौराहे पर स्थित पवनपुत्र हनुमान जी महाराज के मन्दिर में प्रख्यात कर्मकांड विद्वान पंडित रजनीकांत द्विवेदी द्वारा मंत्रोच्चारण कर भगवान का पूजन पाठ किया। तत्पश्चात सुन्दर कांड पाठ शुभारंभ किया गया। राज्यमंत्री के साथ संतोष त्रिपाठी, डा सरला त्रिपाठी, अध्यक्ष मनोरमा मौर्या व भाजपा कार्यकर्ता गण साथ में सुन्दर कांड का पाठ किया।सुन्दर कांड पाठ समापन के बाद भगवान की आरती की गई। तत्पश्चात राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चन्द्र यादव द्वारा भंडारे में बने प्रसाद का भोग भगवान को लगा कर प्रसाद वितरण का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। राज्यमंत्री स्वयं भाजपा कार्यकताओं के साथ मिल प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर सदर विधानसभा क्षेत्र सभी कार्यकर्ता गण मौजूद रहे और आप जनमानस को प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, बांकेलाल सोनकर, पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्यक्ष, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोरमा मौर्या, श्याममोहन अग्रवाल, रामसूरत मौर्य, संतोष त्रिपाठी, अजय सिंह, राजकेसर पाल, मिडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव, नंदलाल यादव, आशीष गुप्ता, अमित श्रीवास्तव, विकास शर्मा, सारिका सोनी, अजय यादव, सुनील यादव मम्मन,डॉ ब्रह्मेश शुक्ला, कमलेश निषाद आदि लोग उपस्थित रहे।

बकरीद के अवसर पर किसी भी प्रतिबंधित पशु की कुर्बानी नहीं होनी चाहिए : जिलाधिकारी

बर्ड फ्लू संक्रमण के दृष्टिगत कही भी खुले में मांस की बिक्री नही की जाएगी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में गंगा दशहरा, बकरीद और अन्य त्योहारोंध कार्यक्रमों के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बकरीद के अवसर पर सभी ईदगाहों में साफ–सफाई कराया जाए। जनपद में बर्ड फ्लू संक्रमण के दृष्टिगत कही भी खुले में मांस की बिक्री नही की जाएगी, इसके लिए उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी और खाद्य सुरक्षा अधिकारी मांस की बिक्री करने वालों के साथ बैठक अवश्य कर लें। जिलाधिकारी ने कहा कि बकरीद के अवसर पर किसी भी प्रतिबंधित पशु की कुर्बानी नहीं होनी चाहिए। पूर्व में निर्धारित स्थानों पर ही कुर्बानी की अनुमति होगी। यदि निर्धारित स्थानों के बाहर कुर्बानी की जाती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुर्बानी के उपरांत अपशिष्ट निस्तारण की सुनियोजित व्यवस्था रहे। उन्होंने कहा कि नमाज परंपरागत स्थलों पर पढ़ी जाए और सड़क पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी। जिलाधिकारी ने गंगा दशहरा के अवसर पर 4 जून को स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान शुरू करने के भी निर्देश दिये। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सभी से बढ–चढ

कर प्रतिभाग करने की अपील की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि निर्धारित स्थान पर ही योग किया जाए, कोई भी व्यक्ति सड़क पर योग नही करेगा। गंगा दशहरा के दृष्टिगत मन्दिरों की सफाई कराने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने गोमती नदी में जलकुम्भी की सफाई कराने के निर्देश अधिशासी अधिकारी को दिये। उन्होने मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह को निर्देश दिया कि आगामी त्योहारों के दृष्टिगत सभी अस्पातालों में आवश्यक दवाईयां, चिकित्सक और एम्बुलेंस उपलब्ध रहे। पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ ने कहा कि पुलिस विभाग के द्वारा सभी प्रकार की तैयारी पूर्ण कर ली गयी है, पूर्व की भांति इस बार भी शान्तिपूर्वक त्योहार सम्पन्न कराये जायेंगे। उन्होने बताया कि गोकशी में लिप्त अपराधियों पर अभियान चलाये जा रहे है, जिसके लिए उन्होने शांति समिति के सभी सदस्यों से सहयोग करने की अपील भी की है। उन्होंने कहा कि पुरानी परम्परा से हटकर कोई नयी परम्परा शुरू नही की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध रुव खाडिया, ज्वांइट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुष श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण और समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

फिजिक्सवाला विद्यापीठ की विजय यात्रा 2025 में जेईई एडवांस्ड टॉपर्स का जश्न, एआईआर 3 समेत 4 छात्र टॉप 100 में

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एजुकेशन कंपनी फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने अपने जेईई एडवांस्ड 2025 के नतीजे जारी किए हैं, जिसमें उसके चार छात्रों ने टॉप 100 में जगह बनाई है। लखनऊ और बाकी शहरों में फिजिक्सवाला के मेधावी छात्रों ने विजय यात्रा 2025 के जरिए अपनी सफलता का जश्न मनाया कृ ये एक छात्र रैली थी जो जेईई एडवांस्ड में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले टॉपर्स को सम्मान देने के लिए निकाली गई।पीडब्ल्यू के टॉपर्स की लिस्ट में सबसे आगे हैं माजिद हुसैन, जिनका ऑल इंडिया रैंक 3 है। उनके बाद हैं मोहित अग्रवाल (एआईआर 12), ऋषभ अय्यर (एआईआर 48), और शिवेन तोषनीवाल (एआईआर 58)।इन नतीजों से साफ होता है कि पीडब्ल्यू का लर्निंग सिस्टम कितना फ्लेक्सिबल है कृ कुछ स्टूडेंट्स ने पीडब्ल्यू ऐप के जरिए ऑनलाइन पढ़ाई की, तो कुछ ने ऑफलाइन टेक–इनेबल्ड पीडब्ल्यू विद्यापीठ सेंटर्स और पीडब्ल्यू की बोथरा क्लासेस के जरिए अपनी तैयारी की, जैसा कि उन्हें सबसे बेहतर लगा।फिजिक्सवाला के शिक्षक, संस्थापक और सीईओ अलख पांडे ने कहा, "जेईई एडवांस्ड 2025 में सफल सभी छात्रों को मेरी तरफ से ढेरों बधाई। आपकी फोकस, मेहनत और लगातार सीखते रहने की भावना सराहनीय है। पीडब्ल्यू में हम ऐसे सिस्टम बनाने की कोशिश करते हैं जो क्लैरिटी, कंसिस्टेंसी और एक्सेस को प्राथमिकता देते हैं ताकि अलग–अलग बैकग्राउंड से आने वाले छात्र भी अपने अकादमिक लक्ष्य पूरे कर सकें। एक एजुकेशनल ऑर्गनाइजेशन के तौर पर हमारा प्रयास यही रहता है कि हम लर्निंग डिलीवरी को बेहतर बनाते रहें कृ सिर्फ अच्छे नतीजों के लिए नहीं, बल्कि एजुकेशनल इक्विटी देने के लिए। और जो छात्र इस बार अपना मनचाहा रिजल्ट नहीं ला सके हैं, उनके लिए यही कहना है कि यह सफर का सिर्फ एक पड़ाव है, पूरी मंजिल नहीं।"फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) का प्रयास है कि श्रम्म एडवांस्ड जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को सुलभ और असरदार शिक्षा मिल सके।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत के पूर्व सैनिकों का सदस्यता अभियान प्रारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत के अध्यक्ष कर्नल वीरेंद्र सिंह तोमर साहब के ऑफिस में सेक्टर 5ब ध140 में 14रू30 बजे एक बैठक हुई, बैठक में सूबेदार मेजर बीएल वर्मा (उपाध्यक्ष) सूबेदार अशोक कुमार पाण्डेय ,(कोषाध्यक्ष) नायक कमलेश अग्निहोत्री, हवलदार (सेवारत सिग्नल कोर) विनीत अग्निहोत्री उपस्थित रहे, नायक कमलेश अग्निहोत्री अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सदस्य बने तथा ऑपरेशन सिंदूर में भाग लेने वाले हवलदार विनीत अग्निहोत्री को माल्यार्पण करके अवध प्रांत अध्यक्ष कर्नल वीरेंद्र सिंह तोमर द्वारा सम्मानित किया गया, अंत में दिनांक 01ध06 ध2025 की बैठक में जो पॉइंट था उस पर चर्चा हुई। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत के अध्यक्ष कर्नल वीरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि संगठन में पूर्व सैनिकों का सदस्यता अभियान चल रहा है इच्छुक सैनिक परिवार सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं।

'ज्येष्ठ मास के चौथे मंगलवार पर राहगीरों को पिलाया शरबत' 'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' ज्येष्ठ मास के चौथे मंगलवार पर विकास क्षेत्र ददरौल के अंतर्गत ग्राम पंचायत इटौरा मजरा बंजर में अंशू दीक्षित, अंशुल श्रीवास्तव (युवा छात्र नेता) एवं अग्रिम जन सेवा केंद्र के सौजन्य से अजीजगंज से चौहनापुर मार्ग पर गांव के समीप शरबत वितरण का आयोजन किया गया। काफी संख्या में भक्तों ने मिलकर सैकड़ों राहगीरों और स्थानीय लोगों को

ठंडा शरबत वितरित किया। शरबत पिलाने वाले भक्तों में काफी उत्साह देखने को मिला। गर्मी से राहत पाकर लोगों ने खुशी जाहिर की। इस दौरान श्रद्धालु भगवान श्रीराम व वीर बजरंगबली के जयकारे लगाते भी दिखे। स्थानीय लोगों के अनुसार यह उनकी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सामान्यतः प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास में गर्मी के मौसम में इस तरह के शरबत वितरण का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में अमन लाला, चेतन श्रीवास्तव,हिमांशू,गुनगुन,मानवीय श्रीवास्तव, अर्श श्रीवास्तव,चमन लाला देवांश,सृष्टि,अनमोल दीक्षित, कंचन, यश,नितेश,आकर्ष दीक्षित, रतीराम, सूर्यांश, सुव्रत दीक्षित,माखन मिश्रा,आदि का शरबत वितरण में काफी सहयोग रहा।

यहाँ पर दी गई जानकारी के आधार पर एक संपूर्ण और आकर्षक हिंदी समाचार रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसमें राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार और शिव मंदिर, रामगढ़ दोनों को प्रमुखता से दर्शाया गया है

रामगढ़ (झारखंड)। राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार द्वारा संपूर्ण भारत को वैदिक जनार्दन राष्ट्र बनाने के संकल्प के अंतर्गत सनातन धर्म की धरोहरों की रक्षा व सुरक्षा हेतु निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में रामगढ़ (झारखंड) स्थित प्राचीन शिव मंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार ने उठाई है। यह ऐतिहासिक शिव मंदिर राष्ट्रीय राजमार्ग छभ–23 पर स्थित है और रामगढ़ से मात्र 3 किलोमीटर की दूरी पर है। इस मंदिर का निर्माण वर्ष 1670 में रामगढ़ राज के राजा महाराजा दलेल सिंह द्वारा तब कराया गया था जब राजधानी को बादाम से रामगढ़ स्थानांतरित किया गया था। यह मंदिर आज राष्ट्रीय स्मारक के रूप में घोषित है। इस मंदिर की विशेषता यह है कि इसका निर्माण शिवलिंग के आकार में किया गया है। मंदिर की वास्तुकला बंगाल और राजपूत शैली का अनूठा संगम प्रस्तुत करती है। मंदिर परिसर में एक गुफा भी है जो पास के तालाब तक जाती है, और ऐसा माना जाता है कि इसका उपयोग रामगढ़ के राजा द्वारा सैन्य प्रयोजनों के लिए भी किया गया था। मुख्य शिवलिंग लगभग 12 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और वहाँ तक दो सीढ़ियों के माध्यम से पहुँचा जा सकता है। इस शिवलिंग पर पाँच फन वाला नाग छत्र बना हुआ है, जो इसकी आध्यात्मिक गरिमा को और बढ़ाता है। साथ ही मंदिर परिसर में त्रिशूल एवं हनुमान जी की मूर्ति भी स्थित है। इस मंदिर की वर्तमान स्थिति जीर्ण–शीर्ण हो चुकी है, लेकिन राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार के अथक प्रयासों से इसके संरक्षण की दिशा में ठोस कार्य किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सनातन संस्कृति और धार्मिक विरासत की रक्षा करना ही संगठन का प्रमुख

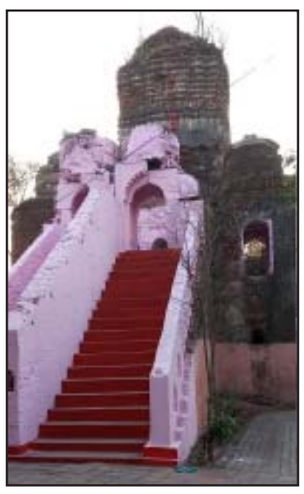

लक्ष्य है। हिन्दू देव प्रकाश शुक्ला ने संगठन के संस्थापक की अल्प आयु में ही धर्म के प्रति जागरूकता की सराहना करते हुए, युवाओं से आह्वान किया कि वे धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के लिए एकजुट होकर कार्य करें।

रालोद के क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान पर जोर

बस्ती, (संवाददाता)। रविवार को राष्ट्रीय लोकदल की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक और सदस्यता अभियान पर प्रेस क्लब सभागार में विचार विचार विमर्श किया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी ने कहा कि रालोद पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के

पद चिन्हों पर चलते हुये किसानों, कमेरा वर्ग के हितों के लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री जयन्ती चौधरी के मार्ग दर्शन में निरन्तर गतिशील है। उन्होने क्षेत्रीय पदाधिकारियों से सांगठनिक स्थिति पर जानकारी प्राप्त करते हुये कहा कि मजबूत संगठन से ही राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक लक्ष्य पूरे होंगे, इसके लिये हम सबको मिलकर 2027 के विधानसभा चुनाव से पूर्व मजबूत संगठन बनाना होगा।मुख्य वक्ता प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि पंचायत चुनावों की तैयारियां शुरू हो गई है। कार्यकर्ता अभी से बूथ स्तर की समीक्षा कर ले, पार्टी पूरी ताकत से चुनाव मैंदान में उतरेगी। राष्ट्रीय सचिव सुधाकर पाण्डेय और अनुपम मिश्र ने सदस्यता अभियान तेज करने पर जोर दिया। संतकबीर क्षेत्र के सदस्यता प्रभारी रजनीकान्त मिश्र ने कहा कि नियमित रूप से सदस्यता अभियान चलाने का क्रम जारी हैप्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल ने कहा कि पूर्वान्चल में रालोद किसानों, नौजवानों, समाज के सभी वर्गो से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठा रही है। इसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। उपाध्यक्ष सुड्डू मिश्र, अम्बुज पटेल ने कहा कि मजबूत संगठन से ही लक्ष्य प्राप्त होंगे।समीक्षा बैठक और सदस्यता अभियान कार्यकम की अध्यक्षता करते हुये विवेक चौधरी ने कहा कि जो विचार और सुझाव सामने आये हैं उसे पूरी तत्परता से पूरा किया जायेगा। संचालन करते हुये महिपाल पटेल ने रालोद के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।बैठक से पहले राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी, प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय, क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी, ऐश्वर्यराज सिंह, ने सर्किट हाउस में पत्रकारों से वार्ता करते हुये कहा कि रालोद मजबूती से जनता का भरोसा जीत रहा है और पार्टी को पूर्वान्चल में मजबूत करने के लिये निरन्तर प्रयास जारी है। इसी क्रममें औरंगजेब के साथ अनेक लोगों ने रालोद की सदस्यता ग्रहण किया।क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से सर्वेश वर्मा, विपिन श्रीवास्तव, अशोक सिंह, चन्द्र प्रकाश दूबे, भगवानदास विश्वकर्मा, कुलदीप, सतीश दूबे, पी.के. पाठक, विपिन सिंह, शोभनाथ चौधरी, रमाशकर चौहान, विनोद कुंवर, सुग्रीव भारती, राम सिंह पटेल, राधेश्याम चौधरी, अरूण चौधरी, इरफान अहमद, गीता वर्मा, अभय पटेल, राम कृपाल चौहान, प्रदीप चौधरी, ओंकारनाथ चौधरी, परवेज अहमद, मुन्नीलाल मास्टर, त्रिपुरेश प्रताप पाठक, चन्द्रिका प्रसाद, शिव कुमार गौतम, श्रीराम मौर्य, सामईन फारूकी, कुलदीप प्रसाद, अरविन्द त्रिपाठी, शम्भू गोपाल चौधरी, गोरखनाथ चौधरी, नागेन्द्र कुमार, शेर सिंह के साथ ही संतकबीर क्षेत्र के बस्ती, गोरखपुर मण्डल और अम्बेडकर नगर जनपद के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

"देश में गूंजे आयोडीन की धुन – "नमक हो टाटा का, टाटा नमक"

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बरेली। पहले कैंपेन 'नमक हो टाटा का३ टाटा नमक' को उपभोक्ताओं से मिले प्यार से प्रेरित होकर, देश में आयोडीन युक्त नमक के नंबर 1 ब्रांड टाटा साल्ट ने, 'नमक हो टाटा का३ टाटा नमक' के दूसरे संस्करण को आईपीएल फाइनल में लांच किया है। देश भर में लोगों का टाटा नमक से प्यार, और जुड़ाव को और गहरा बनाता ये कैंपेन, ब्रांड की प्रतिष्ठित जिंगल को, ब्रांड के उद्देश्य से जोड़ते हुए, एक नए सिरे से पेश कर रहा है। नए कैंपेन में दिल को छू लेने वाली 8 शानदार ब्रांड फिल्में हैं, जो पुरानी यादों को ताजा करते हुए एक महत्वपूर्ण संदेश देती हैंरू टाटा नमक, आयोडीन की सही मात्रा से बच्चों के मानसिक विकास में सहायता करता है, जिससे देश का भविष्य और भी सशक्त बनता

है। श्देश का नमकश के दर्जे को और भी मजबूत करते हुए, यह अभियान एक मनोरंजक और मधुर अंदाज में टाटा नमक की गुणवत्ता और भरोसे को उजागर करता है। ओगिल्वी द्वारा परिकल्पित, इस कैंपेन में जिंदगी के रोजमर्रा के पल दिखाए गए हैं दृ लोरी सुनाती हुई माँ, क्लासरूम में पढ़ाती हुई टीचर, या एक हँसता–खिलखिलाता परिवार, हर दृश्य में टाटा नमक एक अहम साथी के रूप में मौजूद है ऐसा साथी जो सालों से हर भारतीय रसोई का हिस्सा रहा है। भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुडी ये फिल्में, हिंदी भाषी क्षेत्रों के घरेलू माहौल, बंगाल के भावनात्मक क्षणों और मराठी घरों की आत्मीय संस्कृति को दर्शाती हैं। हर पीढ़ी से जुड़ने वाली ये कहानियाँ, रोजमर्रा के पलों और भावनाओं को सामने लाती हैं।

पांच जून को एक दिवसीय बृहद रोजगार मेले का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।युवाओं/युवतियों को रोजगार/स्वरोजगार से जोडकर आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाना तथा हर हाथ को काम सरकार की प्राथमिकताओं में है। सरकार के संकल्प पत्र में युवाओं को रोजगार पर विशेष बल दिया गया है। उक्त के क्रम में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय लखनऊ एवं आई०टी०आई० अलीगंज लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 05.06.2025 को एक दिवसीय बृहद रोजगार मेले का आयोजन आई०टी०आई०, अलीगंज लखनऊ परिसर में किया जाना प्रस्तावित है उक्त रोजगार मेले में मारूति कम्पनी एवं हीरो कम्पनी सहित 07 कम्पनियों प्रतिभाग कर रही है जो इण्टर/ स्नातक/पालीटेक्निक /आई०टी०आई० से उत्तीर्ण बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन करेगी। अतः उक्त मेले में प्रतिभाग करने हेतु अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam-up-gov-in पर पंजीकृत होकर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा अपनी सी०वी० की प्रतियों एवं मूल शैक्षिक प्रमाण–पत्रों के साथ अभ्यर्थी सीधे प्रतिभाग कर सकेंगे। अभ्यर्थियों को किसी भी स्तर पर कोई शुल्क नही देना है। रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण एवं अन्य किसी असुविधा की स्थिति में टोल फ्री नम्बर 155330 पर सम्पर्क कर सकते है। इस हेतु किसी भी प्रकार का मार्गव्यय आदि देय नहीं होगा। यह मेला पूर्णतः निःशुल्क है।

'सात दिवस चली भागवत कथा के उपरांत हुआ विशाल भंडारे का आयोजन'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर–' थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के अंतर्गत इटौरा बंजर में आयोजित सात दिवस तक चली श्रीमद्भागवत कथा का सोमवार को समापन हुआ। चेतन्य स्वरूप राजू लाला और उनके परिवार द्वारा आयोजित इस कथा में सीतापुर के प्रसिद्ध सरस कथा वाचक पंडित राजन महाराज मधुर ने श्रोताओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया। कथा में उक्त ग्राम समेत कई गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। समापन के बाद देर रात तक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में गांव सहित आसपास के गांवों से लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। आपको बता दें कि भंडारे से पूर्व सरस कथा व्यास राजन महाराज मधुर ने मंत्रोचारण के बीच हवन पूजन कर विधि विधान से कथा का समापन कराया।

गोष्ठी के माध्यम से किसानों को उन्नतशील खेती के बारे में दी गई जानकारी

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद के कुशीनगर नगर पालिका परिषद के सबया गांव में रविवार को विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के तहत कुशीनगर टीम द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में विभिन्न विभाग के अधिकारी आईसीएआर भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर विकास सिंह, गेंदा सिंह गन्ना प्रजनन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक डॉक्टर सत्येंद्र कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र सरगटिया कुशीनगर के उद्यान विशेषज्ञ डॉक्टर समशेर सिंह, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र सरगटिया कुशीनगर के अधिकारी जय प्रकाश गुप्ता, हरिहर सिंह, इफको से अमित दुबे, जनपद के कृषि विभाग के कर्मचारी संयुक्त रूप से प्रतिभाग किये। गोष्ठी में डॉक्टर विकास सिंह ने किसानों को विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के बारे में बताया और सब्जियों की नई नई उन्नत प्रजातियों, सब्जियों के उत्पादन के लिए उन्नत तकनिकी से खेती और सब्जियों की संरक्षित खेती, गृहवाटिका में सब्जियों की खेती एवं हमारे स्वास्थ्य पर सब्जियों का महत्व के बारे में जानकारी दी। डॉक्टर समशेर सिंह ने फसल लगाने से पहले मिट्टी की जांच कराने की जानकारी दिया, रसायन मुक्त देशी गाय पर आधारित प्राकृतिक खेती की जानकारी दिया तथा अधिक फल उत्पादन करने के लिए फलों की तोड़ाई के बाद पेड पौधों की कटाई छटाई, खाद उर्वरक प्रयोग एवं उसके देखरेख के बारे में जानकारी दिया। डॉ सत्येंद्र कुमार ने गन्ना फसल की उन्नत उत्पादन तकनीकी गन्ने में मेकेना इजेशन के बारे में जानकारी दिया।

सेवानिवृत अधिकारी के हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, मां और दो बेटों को किया गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लाइन बाजार थाना अंतर्गत रविवार को हुई एक सेवानिवृत्त अधिकारी की हत्या का पुलिस ने हत्या के 30 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। लाइन बाजार थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला और उसके दो बेटे शामिल हैं। इस मामले में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी शहर देवेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक रामकृपाल यादव के बेटे अवनीश कुमार यादव ने थाने में अपने पिता के हत्या की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले में लक्ष्मी मौर्या और उसके दो बेटों सोनू और सुनील मौर्या को कलीचाबाद तिराहे के पास से मंगलवार को गिरफ्तार किया। तीनों सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पूछताछ में लक्ष्मी ने बताया कि उसके पति विकलांग हैं। घर का खर्च चलाने के लिए वह जौनपुर शहर आई थी। यहां रामकृपाल यादव से दोस्ती हो गई। उसने रामकृपाल से कुछ पैसे उधार लिए थे। 31 मई को रामकृपाल पैसे मांगने उसके घर आए। इसी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद के दौरान लक्ष्मी के बेटे सोनू और सुनील भी मौजूद थे। इसी दौरान रामकृपाल की मौत हो गई। आरोपियों ने रात के अंधेरे में स्कूटी पर रामकृपाल के शव को जेसीस चौराहे के पास नाले के किनारे फेंक दिया। जब उन्हें पता चला कि मृतक के बेटे ने मुकदमा दर्ज करा दिया है, तो वे छिप गए। गिरफ्तारी के समय वे अपने गांव होते हुए सूरत जाने की योजना बना रहे थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।